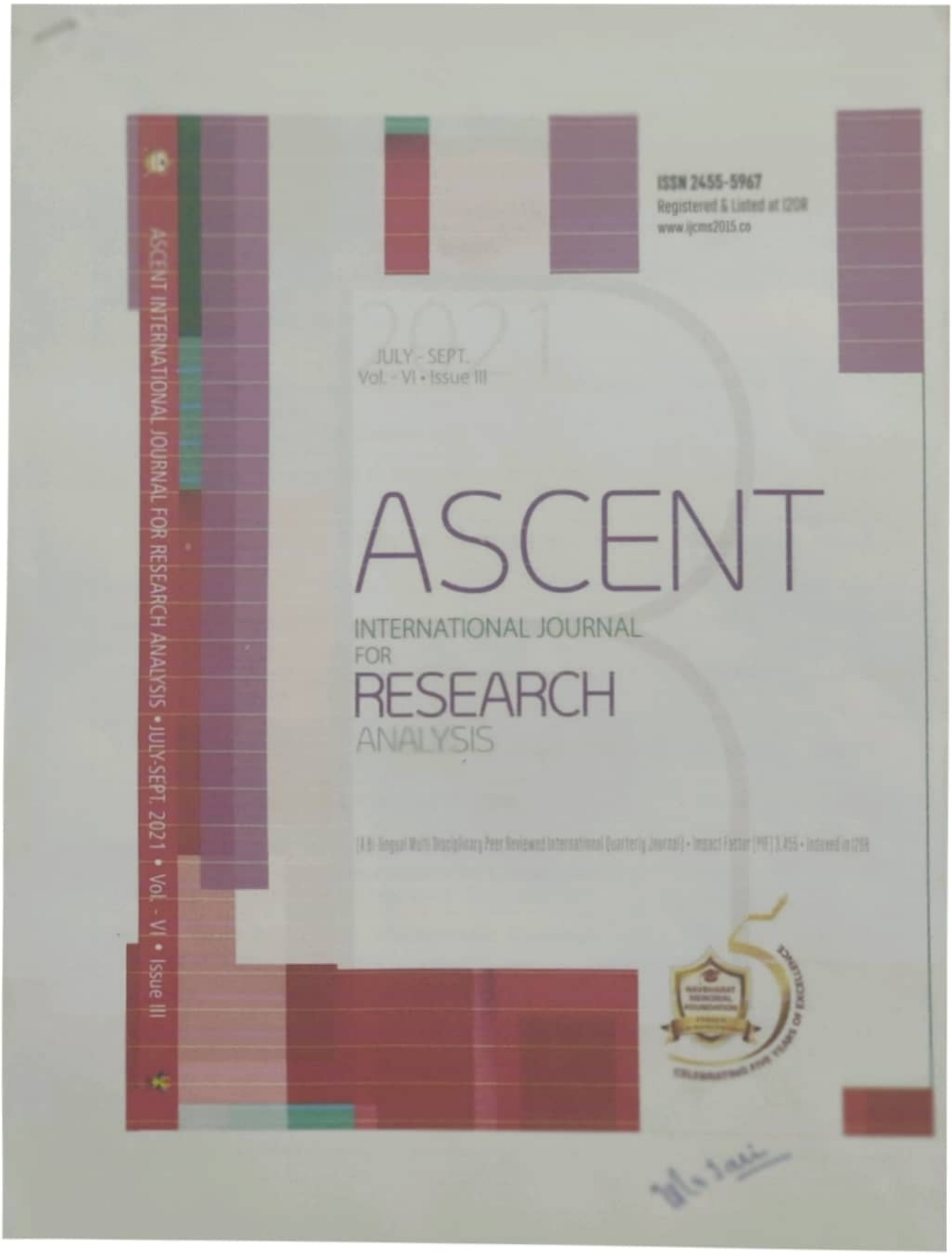
ISSN 2455-5967
Registered & Listed at I2OR
www.ijcms2015.co
JULY - SEPT.
Vol. - VI • Issue III
ASCENT
INTERNATIONAL JOURNAL
FOR
RESEARCH
ANALYSIS
ASCENT INTERNATIONAL JOURNAL FOR RESEARCH ANALYSIS • JULY-SEPT. 2021 • Vol. - VI • Issue III

CamScanner

Vol VI: Issue 3 (July-Sept 2021)

ASCENT INTERNATIONAL JOURNAL FOR RESEARCH ANALYSIS

(A BI-LINGUAL MULTIDISCIPLINARY PEER REVIEWED INTERNATIONAL QUARTERLY JOURNAL)

Cover Page
About NBMF
Ascent Advisory Board
Ascent Editorial Board
Ascent Peer Review Board
Ascent Editorial Review Committee
From The Editor's Desk
Index- Vol – VI, Issue – III

CamScanner

Professional Career Choice: A Study of Continuity Management – Dr. Amit Vyas

10. Customer Relationship Management: Challenges and Opportunities in Banking – Dr. Swapna Shrimali & Dr. Vinita Jain
11. Through the Bakhtinian Lens: Re-Trooping the Narratives in Sherman Alexie's *Indian Killer* – Jonu Jose
12. Socio-Economic Assessment of Social Forestry in Southern Rajasthan – Dr. Neera Rastogi & Shyam Sundar Gupta
13. झुन्झुनूं जिले भूमि विकास का स्वरूप – अनिता एवं डॉ. जय नारायण गुर्जर
14. चौमू तहसील में सड़क परिवहन जाल विश्लेषण का विकास स्तर डॉ. उषा जैन एवं सचिन कुमार सत्तावन
15. हनुमानगढ़ जिले अभिवृद्धि केन्द्रों की पहचान तथा उनका पदानुक्रम रविता रानी
16. स्त्रीधन पर स्त्रियों का अधिकार (धर्मशास्त्रीय विधि एवं भारतीय कानून के अनुसार) – प्रो. शालिनी सक्सेना
17. The Chola Empire's Craftsmen and Their Crafts – Dr. Sunita Meena
18. मीडिया और समसामयिक समीकरण: एक विश्लेषण – डॉ पंकज बासोतिया

IARI

CamScanner

चौमू तहसील में सड़क परिवहन जाल विश्लेषण का विकास स्तर

*डॉ. उषा जैन
**सचिन कुमार सत्तावन

शोध सारांश

सड़क परिवहन तंत्र वृद्धि और विकास की स्थापना के लिए महत्त्वपूर्ण ढाँचा एवं मूलभूत नीव है। यह समाज के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए निर्णायक भूमिका निभाता है। एक तरफ तो, आर्थिक विकास की उपलब्धि और गरीबी उन्मूलन के लिए संसाधन, बाजार और अन्य की भौतिक पहुँच हो तथा साथ ही जीवन की गुणवत्ता साधारणातया रोजगार की भौतिक उपलब्धता, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा और अन्य सुविधाओं की पहुँच पर निर्भर करती है। सड़क परिवहन तंत्र की कमी सामाजिक और आर्थिक विकास को प्रभावित करती है। विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों तक विश्वनीय और पर्याप्त पहुँच नहीं है। इन देशो के ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक आर्थिक विकासशील और गरीबों के लिए सड़कों तक पहुँच एक मुख्य विषय है। एक नया सड़क सम्पर्क रोजगार, औद्योगिक गतिविधियों, और सम्पत्ति में वृद्धि करता हैं। इन परिवर्तनों के द्वारा क्षेत्र के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। लोगों की गतिविधियाँ, वस्तुओं और सूचनाओं का प्रवाह मानव सभ्यताओं का मुख्य तत्व है। विभिन्न देशों के द्वारा परिवहन की आधारभूत संरचना कार्यक्रम में निवेश की प्रेरणा क्षेत्र के विकास को प्रत्यक्षतः प्रभावित करती है। कम समय में आर्थिक वृद्धि से और क्रमशः दीर्घकाल में पूर्णतः सामाजिक आर्थिक विकास से ग्रामीण सड़कें कृषि उत्पादन को प्रभावित करती है। इनके द्वारा नयी भूमि का परिवर्तन कृषि में और वर्तमान भूमि उपयोग का गहन उपयोग होने लगता हैं। इन परिवहन सम्पर्क से ग्रामीण और गैर ग्रामीण गतिविधियाँ में सुदृढ़ीकरण हुआ है, ग्रामीण क्षेत्रों और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के मध्य भारत और चीन के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन के लिए सरकार के द्वारा सड़कों पर किया गया खर्च एक महत्त्वपूर्ण कारक हैं क्योंकि इसके द्वारा नये रोजगार के अवसर, ऊँची मजदूरी और उत्पादकता में वृद्धि होती है।

तीव्र आर्थिक विकास के लिए कम विकसित देशों का मुख्य जोर परिवहन पर होता है। मुख्य रूप से परिवहन तीव्र आर्थिक विकास की वृद्धि से सम्बन्धित होता है। भारत की अर्थव्यवस्था आवश्यक रूप से ग्रामीण है। जहाँ 70 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। देश में 5.8 लाख गाँव है और ज्यादातर सड़कों तक पहुँच नहीं रखते हैं। न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम का लक्ष्य सभी मौसम सड़के, सभी गाँवों में बनाना था जिनकी जनसंख्या 1000 से 1500 हो। अच्छे और अधिक ग्रामीण सड़कों की जरूरत जल और भूमि प्रबंधन, ऊर्वरक और कीटनाशकों की कृषि में समय से पूर्ति, बीजों की अधिक संगठनात्मक रूप से पूर्ति और बेहतर भण्डारण और विपणन सुविधाओं के लिए है। ग्रामीण क्षेत्रों के सम्पूर्ण विकास के लिए सड़के मुख्य भूमिका अदा करती है। वर्तमान में भारत के गाँवों के आर्थिक और सामाजिक अलगाव का मुख्य कारण पर्याप्त रूप से सड़क सुविधाओं की उलपब्धता में कमी है।

CamScanner

IJCRT

Internationally Indexed

Peer Reviewed

Multidisciplinary

Published By
Parth Earth & Environment Consultancy (PE&E)

35/23, Rajat Path, Mansarovar
Jaipur Rajasthan, INDIA
Email: rath56@yahoo.in
parth.rath@gmail.com
Contact: +91-99292-44894

International Journal for Current Research and Techniques

ISSN: 2349-4446 (Print)
ISSN: 2349-3194 (Online)

Vol. 03/ Issue 04/ December 2016
Frequency: Quarterly
Language: English and Hindi
www.ijcrt.org

CamScanner

International Journal for Current Research and Techniques
ISSN 2348-4446 (Print), 2349-3194 (Online)
Vol. III, Issue III, July – September 2016

IJCRT

INDEX

S.N	TITLE	AUTHORS
1	Effectiveness of Forensic Accounting in minimizing the unethical accounting practices – An empirical study of Public & Private Organizations of India	**Nishant Dublish Dr. SubodhKumar Nalwaya**
2	GREEN HRM: STUDY OF GREEN HRM PRACTICES AND ORGANIZATIONAL CULTURE IN SELECTED PRIVATE SECTOR ORGANIZATIONS IN UDAIPUR(RAJASTHAN)	**Tarun Khinchi**
3	Study of Urban Sprawl & Fringe area of Udaipur by using Remote Sensing & G I.S Tectonics	**Nitin Choudhary Prof. L.R.patel**
4	Contribution of Yoga in Mental Strength of Boxing Players	**Dr. Bhupendra Singh Chouhan Devi Singh Jaitawat**
5	महिला सशक्तीकरण के सरकारी प्रयासों का महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर प्रभाव	प्रो. सुमन मामेचा कमलेश मीणा
6	राजस्थान के आर्थिक विकास में धार्मिक स्थलों के योगदान का आर्थिक विश्लेषण	प्रो. प्रदीप कुमार पंजाबी बजरंग सिंह नरूका
7	आदिवासी एवं गैर आदिवासी विद्यार्थियों की पाठ्यसहगामी प्रवृत्तियों में सहभागिता का तुलनात्मक अध्ययन	निशा शर्मा (सेन)
8	Role of Cooperative Societies in Rural Development : Dilemma of Sustainability and Issues	**Sangita Yadav Ajay Yadav Meghraj Jangal**
9	विभिन्न स्तरों पर सामाजिक विज्ञान शिक्षण की पाठ्यचर्या में बदलाव हेतु NCF 2005 के सुझाव	डॉ. प्रीति महलोत
10	जयपुर महानगर में सड़क दुर्घटनाओं का स्थानिक कालिक विश्लेषण	डॉ. धर्मेन्द्र सिंह चौहान राजेन्द्र कुमार मीना
11	दक्षिणी राजस्थान के जनजाति उपयोजना क्षेत्र में नगरीकरण	सुमन पंवार
12	जयपुर जिले की चौमूँ तहसील में जनसंख्या दबाव एवं शिक्षा का स्तर	सचिन कुमार सत्तावन

CamScanner

International Journal for Current Research and Techniques
ISSN 2348-4446 (Print), 2349-3194 (Online)
Vol. III, Issue IV, Oct. – Dec. 2016

जयपुर जिले की चौमूँ तहसील में जनसंख्या दबाव एवं शिक्षा का स्तर

सचिन कुमार सतावन
शोध छात्र, भूगोल विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

सारांश–

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जनसंख्या एक बहुआयामी घटना है। जनसंख्या की संरचना का अध्ययन करने के लिये बहुआयामी आगम की आवश्यकता होती है। यह एक ऐसी संरचना है, जिसमें व्यक्तियों पर सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का प्रभाव, गुणवत्ता के आधार पर उनके जीवन स्तर, सामाजिक परिवेश में उनकी सोच, मनोवैज्ञानिक दृष्टि से जनसंख्या की मनोदशा, आर्थिक मानक पर उनका जीवन स्तर एवं राजनैतिक पर्यावरण में जनसंख्या के द्वारा राज्य की स्थापना इत्यादि विभिन्न बिन्दु जनसंख्या के अन्तर्गत ही समाहित है। जनसंख्या का ढाँचा सदैव शिक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है। चौमू तहसील राजस्थान राज्य के पूर्वी भाग में विस्तृत जयपुर जिले में स्थित तहसील है। जयपुर जिले के मध्य–उत्तरी भाग में स्थित चौमू तहसील उत्तर में सीकर जिले के साथ जयपुर–सीकर जिले की सीमा का निर्माण करती है। सीकर जिले की श्रीमाधोपुर तहसील चौमू तहसील के उत्तर में स्थित है। इस सीमा पर चौमू के किशनपुरा, सिरसा, नांगल–गोविन्द, खेजरोली आदि गांव अवस्थित हैं। चौमू तहसील के उत्तर पूर्व में जयपुर जिले की शाहपुरा तहसील स्थित है। चौमू तहसील के दक्षिण पूर्व भाग में आमेर तहसील स्थित है। इस सीमा पर चौमू तहसील के जाटावाली, धीधवाडी, अनन्तपुरा, जैतपुरा गांव स्थित हैं। चौमू के पश्चिमी भाग में जयपुर जिले की सांभर तहसील स्थित है। चौमू तहसील में वर्ष 2001 में जनसंख्या 326468 थी जो वर्तमान में बढ़कर 395009 हो गयी। जो कि तहसील में असमान रूप से वितरित है। जनसंख्या वृद्धि दर 1991 में 33.4 प्रतिशत, 2001 में 29.1 प्रतिशत और 2011 में 30.8 प्रतिशत रही है जिसमें भी उतरोत्तर बदलाव दृष्टिगत है। शिक्षा की दृष्टि से चौमू तहसील में विगत दशक में क्रान्तिकारी परिवर्तन आये हैं। 2001 में जहां राजस्थान की साक्षरता 61.03 प्रतिशत थी, वहीं चौमू तहसील की 67.08 प्रतिशत थी लेकिन यह जयपुर की कुल साक्षरता 70.63 प्रतिशत से अभी भी कम ही थी। ज्ञातव्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों में आधारभूत बुनियादी सुविधाओं की अपर्याप्तता के कारण भी बालिका शिक्षा पर सवालिया निशान लग जाता है। निराशाजनक तथ्य यह है कि अधिकांश विद्यालयों तक पहुँचने के लिये गांवों में आज भी पक्की सड़कें व यातायात के साधन नहीं हैं। ऐसे में महिला शिक्षा तो दूर की बात, महिलाएं घर से बाहर भी नहीं निकल पाती है।

संकेत शब्द– *बहुआयामी, सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्य, मनोवैज्ञानिक, जनसंख्या वृद्धि दर।*

प्रस्तावना–

चौमू तहसील राजस्थान राज्य के पूर्वी भाग में विस्तृत जयपुर जिले में स्थित तहसील है। जयपुर जिले के मध्य–उत्तरी भाग में स्थित चौमू तहसील उत्तर में सीकर जिले के साथ जयपुर–सीकर जिले की सीमा का निर्माण करती है। सीकर जिले की श्रीमाधोपुर तहसील चौमू तहसील के उत्तर में स्थित है। इस सीमा पर चौमू के किशनपुरा, सिरसा, नांगल–गोविन्द, खेजरोली आदि गांव अवस्थित हैं। चौमू तहसील के उत्तर पूर्व में जयपुर जिले की शाहपुरा तहसील स्थित है। चौमू तहसील के दक्षिण पूर्व भाग में आमेर तहसील स्थित है। इस सीमा पर चौमू तहसील के जाटावाली, धीधवाडी, अनन्तपुरा, जैतपुरा गांव स्थित हैं। चौमू के पश्चिमी भाग में जयपुर जिले की सांभर तहसील स्थित है। इस प्रकार जयपुर जिले में चौमू तहसील की स्थिति अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है।